प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के लिये 365 दिन टैलेंट सर्च : मंत्री सारंग

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिये प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की लगभग 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। श्री सारंग शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में संवाद कर रहे थे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचायें।

समन्वयक युवाओं से सतत सम्पर्क करें

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि समन्वयक प्रत्येक ब्लॉक में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के संपर्क में रहें और उन्हें विभागीय गतिविधियों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि युवा समन्वयकों की तीन माह बाद कार्यों की पुन: समीक्षा की जाएगी। कम जनसंख्या वाले किन्तु खेल प्रतिभा वाले ब्लॉकों को जोड़कर ब्लॉक क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च कार्यक्रम चलाने का सुझाव भी उन्होंने दिया। कार्यशाला के दौरान खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, एक जिला-एक खेल, खेलो एमपी यूथ गेम्स के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम और जिलों में किये गए नवाचारों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयकों से 3 माह बाद पुन: संवाद होगा। उन्होंने कहा कि जिस ब्लॉक में जनसंख्या कम है वहां खिलाड़ियों की खोज के लिए ब्लॉक का क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च आयोजित किया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य विभागों से भी समन्वय करें। मंत्री श्री सारंग ने युवाओं से नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और जागरूकता लाई जा सकती है। उन्होंने कहा, हम केवल अच्छे खिलाड़ी नहीं बल्कि अच्छे नागरिक और समाज के कर्णधार बना रहे हैं। कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर मंत्री श्री सारंग ने विचारपुर (मिनी ब्राजील) में शीघ्र ही फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। धार जिले के सरदारपुर में फुटबॉल को लेकर बढ़ते उत्साह और प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति चौहान की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए उन्होंने ब्लॉक स्तर पर खेल एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू करने को भी कहा।

स्वदेश ज्योति

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के लिये 365 दिन टैलेंट सर्च : विश्वास सारंग

खेल संवाददाता, भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिये प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की लगभग 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। श्री सारंग शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में संवाद कर रहे थे। कार्यशाला में विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचायें। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयकों से 3 माह बाद पुनः संवाद होगा। उन्होंने कहा कि जिस ब्लॉक में

जनसंख्या कम है वहां खिलाड़ियों की खोज के लिए ब्लॉक का क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च आयोजित किया ! जाये। उन्होंने यह भी कहा कि युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य विभागों से भी समन्वय करें।

नीमच, उज्जैन, शहडोल सहित कई जिलों के प्रयासों की सराहना

नीमच में सक्रिय 27 फुटबॉल क्लब, उज्जैन में सिंथेटिक ट्रैक, इंडोर हॉल, लघु मल्लखंभ केंद्र और कबड्डी की संभावनाएं और शहडोल की फुटबॉल परंपरा की विशेष सराहना की गई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेल विभाग अन्य खेलों की तरह सबसे ज्यादा खेले जाने वाले क्रिकेट को भी बढ़ावा देगा, जिससे क्रिकेट की भी उत्कृष्ट प्रतिभाएं निखरकर सामने आयें और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करें।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

कार्यशाला में मंत्री श्री सारंग ने सभी से परिचय प्राप्त किया और उत्कृष्ट कार्य करने वाले 6 युवा समन्वयक सुश्री ज्योति तिवारी, सुश्री ज्योति अहिरवार, श्री दिनेश लोधी, श्री विशाल दामके, श्री वसीम राजा और श्री राजेश बम्हुरे को भी सम्मानित किया। कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव, संचालक श्री राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक श्री बी.एस. यादव सहित प्रदेश के सभी संभागीय एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी तथा युवा समन्वयक उपस्थित रहे।

50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को पहचानने 365 दिन चलेगा टैलेंट सर्च

खेल मंत्री ने किया खेल अधिकारियों-समन्वयकों से संवाद

● **भोपाल / खेल संवाददाता**

खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि राज्य में हर दिन टैलेंट सर्च होगा, ताकि 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को पहचाना जा सके। समन्वय भवन में आयोजित कार्यशाला में उन्होंने समन्वयकों से योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की अपील की। मंत्री ने ब्लॉक क्लस्टर बनाकर कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों में भी टैलेंट सर्च चलाने का सुझाव दिया और युवाओं से नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

शहडोल के सुझाव पर विचारपुर में फुटबॉल फीडर सेंटर और सरदारपुर में खेल एक्सचेंज प्रोग्राम की घोषणा की गई। वहीं नरसिंहपुर के वॉलीबॉल हॉस्टल को अकादमी में बदला जाएगा। तकनीकी निगरानी के लिए डिजिटल एप और मासिक समन्वय बैठकें अनिवार्य होंगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

कार्यशाला के अंत में सारंग ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह युवा समन्वयकों सुश्री ज्योति तिवारी, सुश्री ज्योति अहिरवार, दिनेश लोधी, विशाल दामके, वसीम राजा और राजेश बम्हुरे को सम्मानित किया। कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, संचालक राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक बीएस यादव सहित प्रदेश के सभी संभागीय एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी तथा युवा समन्वयक उपस्थित थे।

प्रतिभाओं को खोजने के लिए 365 दिन रहें तैयार

सम्मेलन ● खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने जिला खेल अधिकारी व खेल समन्वयकों से कहा

समन्वय भवन मे आयोजित सम्मेलन मे खेलमंत्री विश्वास कैलाश सारंग, जिला खेल अधिकारी व युवा समन्वयकों के साथ। ● सौजन्य आयोजक

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : मप्र में खेल प्रतिभाओं को खोजने के लिए पूरे 365 दिन कार्य करना होगा, तभी हम प्रदेश के कोने-कोने से खेल प्रतिभाओं को उचित मंच देने में सफल रहेंगे। अद्वितीय प्रतिभा सामने आने पर हम खेल अकादमी में जरूरत के अनुसार सीटें भी बढ़ा सकते हैं। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने यह बात समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल अधिकारी व खेल समन्वयकों के सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट सर्च अभियान में अधिक से अधिक प्रतिभाएं भागीदारी करें, ऐसे प्रयास ब्लाक स्तर पर होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाया जाए। मंत्री ने कहा कि तीन माह बाद सम्मेलन के माध्यम से फिर मुलाकात होगी। इसमें सभी के कार्यों की समीक्षा होगी। उन्होंने यह भी कहा कि युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य सभी विभागों से भी समन्वय स्थापित करें।

विभाग की योजनाएं गांव-गांव तक पहुंचे : जिला मुख्यालय से दूर होने पर दो ब्लाकों को जोड़कर ब्लाक क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च कार्यक्रम चलाने का सुझाव दिया। विभाग की 'खेलो बढ़ो अभियान', 'पार्थ योजना', 'फिट इंडिया क्लब', 'एक जिला-एक खेल', 'खेलो एमपी यूथ गेम्स' के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम पर भी विचार-विमर्श हुआ। उन्हें गांव-गांव तक पहुंचाया जाए।

छह युवा समन्वय सम्मानित: कार्यशाला में मंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह युवा समन्वयक ज्योति तिवारी, ज्योति अहिरवार, दिनेश लोधी, विशाल दामके, वसीम राजा और राजेश चमुरे को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में इस मौके पर अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, संचालक राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक बीएस यादव सहित मध्यप्रदेश के सभी संभागीय एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी और युवा समन्वयक उपस्थित थे।

मिनी ब्राजील विचारपुर में बनेगा फुटबाल का फीडर सेंटर

कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर मंत्री ने विचारपुर (मिनी ब्राजील) में शीघ्र ही फुटबाल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। साथ ही यहां पर स्तरीय स्टेडियम बनाया जाएगा। इसी तरह धार जिले के सरदारपुर में भी फुटबाल के प्रति उत्साह पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि विचारपुर और सरदारपुर के बीच भोपाल में फुटबाल मुकाबला आयोजित किया जाएगा। नरसिंहपुर में स्थापित प्रदेश के एकमात्र वालीबाल हास्टल को अकादमी में विस्तारित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

हरिभूमि
भोपाल मुख्य संस्करण - Page 9
19 July 2025

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने पूरे 365 दिन चले टैलेंट सर्च: मंत्री सारंग

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सारंग ने किया सीधा संवाद

हरिभूमि न्यूज ›› भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिये प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की लगभग 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। सारंग शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में संवाद कर रहे थे। कार्यशाला में विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाएं। कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, संचालक राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव सहित प्रदेश के सभी संभागीय एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी तथा युवा समन्वयक उपस्थित रहे। मंत्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयकों से 3 माह बाद पुनः संवाद होगा। उन्होंने कहा कि जिस ब्लॉक में जनसंख्या कम है वहां खिलाड़ियों की खोज के लिए ब्लॉक का क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च आयोजित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य विभागों से भी समन्वय करें।

समन्वयक युवाओं से सतत् सम्पर्क करें

मंत्री सारंग ने निर्देश दिए कि समन्वयक प्रत्येक ब्लॉक में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के संपर्क में रहें और उन्हें विभागीय गतिविधियों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि युवा समन्वयकों की तीन माह बाद कार्यों की पुनः समीक्षा की जाएगी। कम जनसंख्या वाले किन्तु खेल प्रतिभा वाले ब्लॉकों को जोड़कर ब्लॉक क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च कार्यक्रम चलाने का सुझाव भी उन्होंने दिया। कार्यशाला के दौरान 'खेलो बढ़ो अभियान', 'पर्व योजना', 'फिट इंडिया क्लब', 'एक जिला-एक खेल', 'खेलो एमपी यूथ गेम्स' के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम और जिलों में किये गए नवाचारों पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ।

शहडोल में शीघ्र ही फुटबॉल फीडर सेंटर बनेगा

कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर मंत्री सारंग ने विचारपुर (मिनी ब्राजील) में शीघ्र ही फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। धार जिले के सरदारपुर में फुटबॉल को लेकर बढ़ते उत्साह और प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति चौहान की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए उन्होंने ब्लॉक स्तर पर खेल एक्सपोजर प्रोग्राम शुरू करने को भी कहा। उन्होंने उत्साहवर्धन के लिए विचारपुर और सरदारपुर के बीच भोपाल में फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित करने के लिये भी निर्देशित किया। मंत्री सारंग ने नरसिंहपुर में स्थापित प्रदेश के एकमात्र व्हालीबॉल हॉस्टल की आवश्यकता में विस्तारित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

कई जिलों के प्रयासों की सराहना

बैतूल में सक्रिय 27 फुटबॉल क्लब, उज्जैन में सिंथेटिक ट्रैक, इंदौर हॉल, लघु व्यायामशाला कैंप और कबड्डी की संभावनाएं और शहडोल की फुटबॉल परंपरा की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि फिटनेस अन्य खेलों की तरह सबसे ज्यादा खेले जाने वाले क्रिकेट को भी बढ़ावा देगा, जिससे क्रिकेट को उत्कृष्ट प्रतिभाएं निखर कर सामने आएं और गांव का नाम रोशन करें।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

कार्यशाला में मंत्री सारंग ने सभी से परिचय प्राप्त किया और उत्कृष्ट कार्य करने वाले 6 युवा समन्वयक ज्योति तिवारी, ज्योति अहिरवार, विवेक लोधी, निशान्त धामके, तसीम राजा और राजेश बघेल को भी सम्मानित किया।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए 365 दिन टैलेंट सर्च : मंत्री विश्वास सारंग

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने किया सीधा संवाद

भोपाल, लोकल एक्सप्रेस

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिये प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की लगभग 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। श्री सारंग शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में संवाद कर रहे थे।

कार्यशाला में विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचायें। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयकों से 3 माह बाद पुनः संवाद होगा। उन्होंने कहा कि जिस ब्लॉक में जनसंख्या कम है वहां खिलाड़ियों की खोज के लिए ब्लॉक का क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च आयोजित किया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य विभागों से भी समन्वय करें। समन्वयक युवाओं से सतत सम्पर्क करें। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि समन्वयक प्रत्येक ब्लॉक में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के संपर्क में रहें और उन्हें विभागीय गतिविधियों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि युवा समन्वयकों की तीन माह बाद कार्यों की पुनः समीक्षा की जाएगी। कम जनसंख्या वाले किन्तु खेल प्रतिभा वाले ब्लॉकों को जोड़कर ब्लॉक क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च कार्यक्रम चलाने का सुझाव भी उन्होंने दिया। कार्यशाला के दौरान खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, एक जिला-एक खेल, खेलो एमपी यूथ गेम्स के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम और जिलों में किये गए नवाचारों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

नशा मुक्ति अभियान में युवाओं की भागीदारी जरूरी : मंत्री श्री सारंग ने युवाओं से नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और जागरूकता लाई जा सकती है। उन्होंने कहा, हम केवल अच्छे खिलाड़ी नहीं बल्कि अच्छे नागरिक और समाज के कर्णधार बना रहे हैं।

जिलों से आए सुझावों पर तुरंत निर्णय

कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर मंत्री श्री सारंग ने विचारपुर (मिनी ब्राजील) में शीघ्र ही फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। धार जिले के सरदारपुर में फुटबॉल को लेकर बढ़ते उत्साह और प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति चौहान की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए उन्होंने ब्लॉक स्तर पर खेल एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू करने को भी कहा। उन्होंने उत्साहवर्द्धन के लिये विचारपुर और सरदारपुर के बीच भोपाल में फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित करने के लिये भी निर्देशित किया।

मंत्री श्री सारंग ने नरसिंहपुर में स्थापित प्रदेश के एकमात्र व्हाली-बॉल हॉस्टल को अकादमी में विस्तारित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। वहीं सांची क्षेत्र से वॉटर स्पोर्ट्स में प्रतिभाएं उभरने की जानकारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने क्षेत्रीय खेलों के विकास पर जोर दिया।

Sarang calls for year-round talent search to boost State's sporting future

STAFF REPORTER ■ Bhopal

Sports and Youth Welfare Minister Vishwas Kailash Sarang has stressed the importance of a continuous, year-round talent search initiative to identify and nurture sports talent across Madhya Pradesh. Speaking at a workshop for District Sports and Youth Welfare Officers and Youth Coordinators at Samanvay Bhawan, Minister Sarang urged officials to work diligently every day to discover potential and identify at least 50 lakh talented youth from the state's population of nearly 9 crore.

Minister Sarang highlighted that the focus should be on ensuring that the schemes and initiatives of the Sports and Youth Welfare Department reach the grassroots level effectively. He announced that after three months, there would be another round of interactions with youth coordinators to review progress. He suggested that, in smaller blocks, talent search programs could be conducted by forming clusters of nearby blocks to maximize outreach and impact. He also emphasized the need for coordination between youth coordinators and other departments, especially those involved in school games, to ensure a comprehensive and inclusive approach to talent development.

Minister Sarang directed youth coordinators to actively engage with local youth in each block, ensuring that they are involved in departmental programs and activities. He stressed that their performance would be reviewed again after three months. The workshop also featured discussions on several key initiatives such as 'Khelo Badho Abhiyan,' 'Parth Yojana,' 'Fit India Club,' 'One District-One Game,' and the revamped 'Khelo MP Youth Games,' as well as the ongoing talent search program and innovative practices adopted in various districts.

In addition to talent identification, Minister Sarang addressed the importance of youth involvement in social issues, particularly the de-addiction campaign. He urged the youth to turn the de-addiction campaign into a mass movement, highlighting the role of sports in spreading positivity and raising awareness in society. "Through sports, we are not just creating skilled players, but also shaping responsible citizens and future leaders of the nation," he remarked.

Responding to suggestions from youth coordinators in Shahdol, the minister announced plans to establish a football feeder center in Vicharpur, known as 'Mini Brazil.' He also proposed a block-level sports exchange program in Sardarpur, Dhar district, to further promote football in the region. Additionally, a football competition will be organized between teams from Vicharpur and Sardarpur in Bhopal to encourage the sport. Further, Minister Sarang instructed officials to prepare an action plan for upgrading the state's only volleyball hostel in Narsinghpur into a full-fledged academy. Expressing satisfaction over the emerging talent in water sports from the Sanchi region, he emphasized the importance of region-specific sports development.

प्रतिभाओं को खोजने के लिए 365 दिन रहें तैयार

सम्मेलन ● खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने जिला खेल अधिकारी व खेल समन्वयकों से कहा

समन्वय भवन में आयोजित सम्मेलन में खेलमंत्री विश्वास कैलाश सारंग, जिला खेल अधिकारी व युवा समन्वयकों के साथ। ● सौजन्य आयोजक

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : मप्र में खेल प्रतिभाओं को खोजने के लिए पूरे 365 दिन कार्य करना होगा, तभी हम प्रदेश के कोने-कोने से खेल प्रतिभाओं को उचित मंच देने में सफल रहेंगे। अद्वितीय प्रतिभा सामने आने पर हम खेल अकादमी में जरूरत के अनुसार सीटें भी बढ़ा सकते हैं। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने यह बात समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल अधिकारी व खेल समन्वयकों के सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट सर्च अभियान में अधिक से अधिक प्रतिभाएं भागीदारी करें, ऐसे प्रयास ब्लाक स्तर पर होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाया जाए। मंत्री ने कहा कि तीन माह बाद सम्मेलन के माध्यम से फिर मुलाकात होगी। इसमें सभी के कार्यों की समीक्षा होगी। उन्होंने यह भी कहा कि युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य सभी विभागों से भी समन्वय स्थापित करें।

विभाग की योजनाएं गांव-गांव तक पहुंचे : जिला मुख्यालय से दूर होने पर दो ब्लाकों को जोड़कर ब्लाक क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च कार्यक्रम चलाने का सुझाव दिया। विभाग की 'खेलो बढ़ो अभियान', 'पार्थ योजना', 'फिट इंडिया क्लब', 'एक जिला-एक खेल', 'खेलो एमपी यूथ गेम्स' के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम पर भी विचार-विमर्श हुआ। उन्हें गांव-गांव तक पहुंचाया जाए।

छह युवा समन्वय सम्मानित: कार्यशाला में मंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह युवा समन्वयक ज्योति तिवारी, ज्योति अहिरवार, दिनेश लोधी, विशाल दामके, वसीम राजा और राजेश बम्हूरे को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में इस मौके पर अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, संचालक राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक बीएस यादव सहित मध्यप्रदेश के सभी संभागीय एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी और युवा समन्वयक उपस्थित थे।

मिनी ब्राजील विचारपुर में बनेगा फुटबाल का फीडर सेंटर

कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर मंत्री ने विचारपुर (मिनी ब्राजील) में शीघ्र ही फुटबाल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। साथ ही यहां पर स्तरीय स्टेडियम बनाया जाएगा। इसी तरह धार जिले के सरदारपुर में भी फुटबाल के प्रति उत्साह पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि विचारपुर और सरदारपुर के बीच भोपाल में फुटबाल मुकाबला आयोजित किया जाएगा। नरसिंहपुर में स्थापित प्रदेश के एकमात्र वालीबाल हास्टल को अकादमी में विस्तारित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

देवदत्त पब्लिकेशन प्रकाशन

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

न दबाव, न भेदभाव

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित

दिनांक- 19/07/2025 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार दास

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के लिये 365 दिन टैलेंट सर्च : सारंग

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने किया सीधा संवाद

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिये प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की लगभग 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। सारंग शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में संवाद कर रहे थे। कार्यशाला में विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचायें। मंत्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयकों से 3 माह बाद पुन: संवाद होगा। उन्होंने कहा कि जिस ब्लॉक में जनसंख्या कम है वहां खिलाड़ियों की खोज के लिए ब्लॉक का क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च आयोजित किया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य विभागों से भी समन्वय करें। सारंग ने निर्देश दिए कि समन्वयक प्रत्येक ब्लॉक में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के संपर्क में रहें और उन्हें विभागीय गतिविधियों से जोड़ें।

उन्होंने कहा कि युवा समन्वयकों की तीन माह बाद कार्यों की पुन: समीक्षा की जाएगी। कम जनसंख्या वाले किन्तु खेल प्रतिभा वाले ब्लॉकों को जोड़कर ब्लॉक क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च कार्यक्रम चलाने का सुझाव भी उन्होंने दिया। कार्यशाला के दौरान खेलो बढ़ो अभियान, पार्क योजना, फिट इंडिया क्लब, एक जिला-एक खेल, खेलो एमपी यूथ गेम्स के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम और जिलों में किये गए नवाचारों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। मंत्री सारंग ने युवाओं से नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और जागरूकता लाई जा सकती है। उन्होंने कहा, हम केवल अच्छे खिलाड़ी नहीं बल्कि अच्छे नागरिक और समाज के कर्णधार बना रहे हैं। कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर मंत्री श्री सारंग ने विचारपुर (मिनी ब्राज़ील) में शीघ्र ही फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। धार जिले के सरदारपुर में फुटबॉल को लेकर बढ़ते उत्साह और प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति चौहान की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए उन्होंने ब्लॉक स्तर पर खेल एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू करने को भी कहा। उन्होंने उत्साहवर्द्धन के लिये विचारपुर और सरदारपुर के बीच भोपाल में फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित करने के लिये भी निर्देशित किया।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के लिये 365 दिन टैलेंट सर्च : मंत्री सारंग

» खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, एक जिला-एक खेल, खेलो एमपी यूथ गेम्स के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम और जिलों में किये गए नवाचारों की हुई समीक्षा » जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला » खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री सारंग ने किया सीधा संवाद

स्पोर्ट्स एज भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिये प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की लगभग 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 10 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। श्री सारंग शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में संवाद कर रहे थे। कार्यशाला में विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचायें।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयकों से 3 माह बाद पुनः संवाद होगा। उन्होंने कहा कि जिस ब्लॉक में जनसंख्या कम है वहां खिलाड़ियों की खोज के लिए ब्लॉक का लगातार अवलोकन टैलेंट सर्च आयोजित किया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य विभागों से भी समन्वय करें।

समन्वयक युवाओं से सतत संपर्क करें

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि समन्वयक प्रत्येक ब्लॉक में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के संपर्क में रहें और उन्हें विभागीय गतिविधियों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि युवा समन्वयकों की तीन माह बाद कार्यों की पुनः समीक्षा की जाएगी। कम जनसंख्या वाले किन्तु खेल प्रतिभा वाले जगहों को जोड़कर ब्लॉक लगातार कराकर टैलेंट सर्च कार्यक्रम चलाने का सुझाव भी उन्होंने दिया। कार्यशाला के दौरान खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, एक जिला-एक खेल, खेलो एमपी यूथ गेम्स के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम और जिलों में किये गए नवाचारों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

नशा मुक्ति अभियान में युवाओं की भागीदारी जरूरी

मंत्री श्री सारंग ने युवाओं से नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और जागरूकता लाई जा सकती है। उन्होंने कहा, हम केवल अच्छे खिलाड़ी नहीं बल्कि अच्छे नागरिक और समाज के कर्णधार बना रहे हैं।

जिलों से आए सुझावों पर तुरंत निर्णय

कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर मंत्री श्री सारंग ने विचारपुर (मिनी ब्राजील) में शीघ्र ही फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। धार जिले के सरदारपुर में फुटबॉल को लेकर बढ़ते उत्साह और प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति चौहान की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए उन्होंने ब्लॉक स्तर पर खेल एक्सपोजर प्रोग्राम शुरू करने को भी कहा।

उन्होंने उत्साहवर्धन के लिये विचारपुर और सरदारपुर के बीच भोपाल में फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित करने के लिये भी निर्देशित किया। मंत्री श्री सारंग ने नरसिंहपुर में स्थापित प्रदेश के एकमात्र वाटर-पोलो हॉस्टल को अकादमी में विकसित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। वहीं सांची क्षेत्र से कोटा स्पोर्ट्स में प्रतिभाएं उभरने की जानकारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने क्षेत्रीय खेलों के विकास पर जोर दिया।

नीमच, उज्जैन, शहडोल सहित कई जिलों के प्रयासों की सराहना

नीमच में संचालित 27 फुटबॉल क्लब, उज्जैन में सिंथेटिक ट्रैक, इंडोर हॉल, लघु व्यायाम केंद्र और कबड्डी की संभावनाएं और शहडोल की फुटबॉल परंपरा की विशेष सराहना की गई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेल विभाग अन्य खेलों की तरह सबसे ज्यादा खेले जाने वाले क्रिकेट को भी बढ़ावा देगा, जिससे क्रिकेट की भी उत्कृष्ट प्रतिभाएं निखरकर सामने आयें और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करें।

तकनीकी और समन्वय पर विशेष बल

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेल विभाग की गतिविधियों की मॉनिटरिंग के लिए डिजिटल एप्लीकेशन विकसित किया जाए। साथ ही प्रत्येक माह जिला स्तर पर समन्वय बैठकें आयोजित कर उनकी रिपोर्ट भोपाल मुख्यालय भेजी जाए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर खेल गतिविधियों को जन-जन से जोड़ा जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं समन्वयकों से कहा कि वे रचनात्मक सुझाव मुख्यालय को पत्र के माध्यम से प्रेषित करें, जिससे योजनाओं में निरंतर सुधार हो सके।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

कार्यशाला में मंत्री श्री सारंग ने सभी से परिचय प्राप्त किया और उत्कृष्ट कार्य करने वाले 6 युवा समन्वयक सुश्री ज्योति तिवारी, सुश्री ज्योति अहिरवार, श्री दिनेश सोनी, श्री शिवम रावके, श्री नदीम खान और श्री राकेश कपूरे को भी सम्मानित किया। कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव, संचालक श्री राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक श्री बी.एस. यादव सहित प्रदेश के सभी संभागीय एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी तथा युवा समन्वयक उपस्थित रहे।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने 365 दिन टैलेंट सर्च : सारंग

स्वतंत्र समय, भोपाल । खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की करीब 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। सारंग शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई। सारंग ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि युवा समन्वयकों से 3 माह बाद पुन: संवाद होगा।

पत्रिका

खेल मंत्री ने कार्यशाला में दिए तैयारी के निर्देश

शहडोल में बनेगा फुटबॉल फीडर, नरसिंहपुर में वॉलीबॉल अकादमी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. शहडोल के विचारपुर (मिनी ब्राजील) में जल्द फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना होगी। धार के सरदारपुर में फुटबॉल को लेकर बढ़ते उत्साह और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति चौहान की उपलब्धि को देखते हुए ब्लॉक स्तर पर खेल एक्सचेंज प्रोग्राम चलाएंगे। यह बात खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने शुक्रवार को राजधानी में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला के दौरान कही। कहा, नरसिंहपुर में वॉलीबॉल हॉस्टल को अकादमी में बदला जाएगा। वहीं प्रदेश के युवा समन्वयक ज्योति तिवारी, ज्योति अहिरवार, दिनेश लोधी, विशाल दामके, वसीम राजा और राजेश बम्हुरे को सम्मानित किया।

हर दिन करें टैलेंट सर्च

मंत्री सारंग ने कहा, खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए। इससे प्रदेश के 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिह्नित कर करेंगे। नीमच में सक्रिय 27 फुटबॉल क्लब, उज्जैन में सिंथेटिक ट्रैक, इंडोर हॉल, लघु मल्लखंभ और कबड्डी की सराहना की गई।

19/07/2025 | Bhopal | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

Football feeder centre in Vicharpur soon

Minister for sports Vishvas Sarang felicitates sportspersons for outstanding performance on Friday

Our Staff Reporter
BHOPAL

Football competition between Vicharpur & Sardarpur in Bhopal

A football feeder centre will soon be set up in Vicharpur, popularly known as the Mini Brazil, said Sports and Youth Welfare Minister Vishvas Sarang on Friday.

Citing the growing enthusiasm for football in Sardarpur of Dhar district and the achievements of the state's international player, Jyoti Chauhan, he also spoke of a sports exchange programme at the block level. He said a football competition between Vicharpur and Sardarpur in Bhopal will be held. Sarang was speaking at a workshop of district sports and youth welfare officers and youth coordinators at the Samanvay Bhavan in the city. He called for an action plan to expand the state's only volleyball hostel in Narsinghpur into an academy. The sports department will also promote cricket. The work of the youth coordinators will be reviewed again after three months. A talent search programme will run by forming block clusters.

THE FREE PRESS JOURNAL
Sat, 19 July 2025
https://epaper.freepressjournal.in/c/77781399

TheHitavada
Bhopal City Line | 2025-07-19 | Page- 4
ehitavada.com

'365-day talent search drive to identify 50 lakh young athletes'

State-level workshop of district sports officers and youth coordinators held

■ Staff Reporter

A STATE-LEVEL workshop for District Sports Officers and Contractual Youth Co-ordinators was held recently at Samman Bhavan, Bhopal, under the aegis of the Department of Sports and Youth Welfare. The event, inaugurated by Sports and Youth Welfare Minister Vishwas Kailash Sarang, saw participation from all 10 divisions of the State. The workshop aimed to enhance sports infrastructure, promote youth leadership and fitness, and share new departmental initiatives.

Speaking at the State-level workshop, Minister Sarang emphasised the need for a year-round talent search campaign to identify and nurture sporting potential across the State. He urged the officials to work with the commitment of conducting a '365-day talent hunt' to tap into the capabilities of at least 50 lakh youth from the state's 9 crore population.

The workshop brought together officers and coordinators from all 10 divisions - Bhopal, Rewa, Sagar, Ujjain, Indore, Gwalior, Morena, Jabalpur, Narmadapuram, and Shahdol. Sessions covered key themes including new sports initiatives in the state, youth welfare activities, mental health, doping awareness, and physical fitness. The event also served as a platform to share innovative practices and successful models from various districts.

Minister Sarang underlined the importance of connecting with youth at the grassroots level and directed youth coordinators to maintain active engagement with their respective blocks. He announced that the work of co-ordinators will be reviewed again after three months and proposed the formation of block clusters - especially in low-population areas—to organise targeted talent search activities. Coordinators were also advised to liaise with school games authorities and other departments for better synergy.

Minister Vishwas Kailash Sarang honouring one of the youth co-ordinators who worked excellent in the State-level workshop.

A special emphasis was laid on developing local sports infrastructure and integrating youth in social movements such as drug de-addiction campaigns. "We are not just creating athletes but shaping responsible citizens and future leaders of society," said the minister.

Suggestions for infrastructure devpt

SEVERAL district-level suggestions were implemented on the spot. Based on recommendations from Shahdol, a football feeder center will soon be set up in Vicharpur (dubbed 'Mini Brazil'). The enthusiasm for football in Sardarapur, Dhar - home to international player Jyoti Chauhan - also prompted plans for a sports exchange programme and a football tournament in Bhopal between Vicharpur and Sardarapur.

The Minister announced expansion plans for the State's only volleyball hostel in Narsinghpur into a full-fledged academy and welcomed the emergence of water sports talent from Sanchi. He praised efforts from Neemuch (27 active football clubs), Ujjain (synthetic track and indoor facilities), and Shahdol (rich football tradition), while committing to also promote cricket as a mainstream sport.

Sarang called for the development of a digital monitoring application and monthly coordination meetings at the district level. Six youth coordinators were honored for outstanding work, and the event concluded with a call for continuous innovation and field-level feedback to strengthen the State's sports ecosystem.

Powered by Bharati Web

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए 365 दिन टैलेंट सर्च चलाएं, ब्लॉक क्लस्टर बनाएं

खेल अधिकारी और युवा समन्वयकों की कार्यशाला में छह युवा समन्वयकों का सम्मान

भोपाल, खेप्र। खेल प्रतिभाओं को अवसर देने प्रति दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किए जाए, जिससे प्रदेश के कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। यह बात खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में कही।

खेल मंत्री ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाएं। जिस ब्लॉक में जनसंख्या कम है, वहां खिलाड़ियों की खोज के लिए ब्लॉक का क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च आयोजित किया जाए। इसके अलावा युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य विभागों से भी समन्वय करें। इस कार्यशाला में विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह युवा समन्वयक ज्योति तिवारी, ज्योति अहिरवार, दिनेश लोधी, विशाल दामके, वसीम राजा और राजेश बम्हुरे को सम्मानित किया। खेल मंत्री ने निर्देश दिए कि समन्वयक प्रत्येक ब्लॉक में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के संपर्क में रहे और उन्हें विभागीय गतिविधियों से जोड़ें। युवा समन्वयकों की तीन माह बाद कार्यों की पुनः समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला के दौरान खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, एक जिला-एक खेल, खेलो एमपी यूथ गेम्स के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम और जिलों में किए गए नवाचारों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

विचारपुर में बनेगा फुटबॉल फीडर सेंटर

कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर मंत्री सारंग ने विचारपुर (मिनी ब्राजील) में शीघ्र फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर खेल एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू करने को कहा। खेल मंत्री ने नरसिंहपुर में स्थापित प्रदेश के एकमात्र व्हाली-बॉल हॉस्टल को अकादमी में विस्तारित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

www.dainikjagranmpcg.com
19 Jul 2025 - Page 10
दैनिक जागरण

स्वदेश

भोपाल - संस्करण

19 July 2025

खेल | खेल मंत्री विश्वास सारंग ने समन्वयकों के साथ किया सीधा संवाद

खिलाड़ियों को अवसर देने अब 365 दिन चलेगा टैलेंट सर्च

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

प्रतिभावान खिलाड़ियों को अब टैलेंट सर्च के माध्यम से 365 दिन प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर दिया जाएगा। इस आशय के निर्देश खेल मंत्री विश्वास सारंग ने समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में दिये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की लगभग 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके।

इसके पहले श्री सारंग ने कहा कि खेल विभाग की गतिविधियों की मॉनिटरिंग के लिए डिजिटल एप्लीकेशन विकसित किया जाए। साथ ही प्रत्येक माह जिला स्तर पर समन्वय बैठकें आयोजित कर उसकी रिपोर्ट भोपाल मुख्यालय भेजी जाए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर खेल गतिविधियों को जन-जन से जोड़ा जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं समन्वयकों से कहा कि वे रचनात्मक सुझाव मुख्यालय को पत्र के माध्यम से प्रेषित करें, जिससे योजनाओं में निरंतर सुधार हो सके। साथ ही नरसिंहपुर में स्थापित प्रदेश के एकमात्र व्हाली-बॉल हॉस्टल को अकादमी में विस्तारित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

समन्वयक युवाओं से सतत सम्पर्क करें

यहां समन्वयकों को प्रत्येक ब्लॉक में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के संपर्क में रहने और उन्हें विभागीय गतिविधियों से जोड़ने के लिये कहा गया है। युवा समन्वयकों की तीन माह बाद कार्यों की पुन: समीक्षा की जाएगी। कम जनसंख्या वाले किन्तु खेल प्रतिभा वाले ब्लॉकों को जोड़कर ब्लॉक क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च कार्यक्रम चलाने का सुझाव भी उन्होंने दिया गया। कार्यशाला के दौरान खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, एक जिला-एक खेल, खेलो एमपी यूथ गेम्स के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम और जिलों में किये गए नवाचारों पर जानकारी दी।

दैनिक भास्कर

भोपाल सिटी भास्कर 19-07-2025

समन्वयकों से संवाद... खेलो बढ़ो, पार्थ, फिट इंडिया क्लब, खेलो एमपी यूथ गेम्स जैसी योजनाओं पर हुआ मंथन

अब 12 महीने चलेगा टैलेंट सर्च, प्रतिभाशाली प्लेयर्स को अकादमी में प्रवेश के लिए जुलाई का नहीं करना पड़ेगा इंतजार

250 युवा समन्यवयक आए थे कार्यशाला में भाग लेने, कुल 284 युवा समन्वयक है खेल विभाग में-

37 जिला खेल अधिकारी है मध्यप्रदेश के पास। इसमें से 36 अधिकारी आए थे भोपाल

स्पोर्ट्स रिपोर्टर। भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण द्वारा संचालित मप्र राज्य अकादमियां, फीडर सेंटर और अन्य ट्रेनिंग सेंटर में प्रवेश के लिए खिलाड़ियों को अप्रैल से जुलाई के बीच होने वाले टैलेंट सर्च का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अब टैलेंट सर्च पूरे 12 महीने चलेगा। और यह टैलेंट सर्च किसी जिला या संभाग मुख्यालय पर ही नहीं गांव-गांव से लेकर शहरों तक चलेंगे। अगर प्लेयर प्रतिभावान है उसे उसी समय प्रवेश दे दिया जाएगा। यह बात खेलमंत्री विश्वास सारंग ने शुक्रवार को भोपाल के समन्वय भवन में ग्रामीण युवा समन्वयकों से सीधे संवाद में कही। खेल विभाग ने प्रदेश के सभी ग्रामीण युवा समन्वयक और जिला खेल अधिकारियों को भोपाल बुलाया था जहां खेलमंत्री, खेल सचिव और खेल डायरेक्टर ने सीधी बात की। कार्यशाला खेल विभाग की नई योजनाओं जैसे खेलो बढ़ो,अभियान, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, एक जिला-एक खेल, खेलो एमपी यूथ गेम्स के नए स्वरूप और टैलेंट सर्च को गांव-गांव, शहर-शहर तक पहुंचाने के लिए आयोजित की गई थी।

मिनी ब्राजील में फुटबॉल फीडर सेंटर बनेगा

पीएम ने मन की बात में जिस शहडोल जिले के विचारपुर गांव को फुटबॉल का मिनी ब्राजील कहा था, वहां पर शीघ्र भी फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना की जाएगी। इसी तरह धार जिले के सरदारपुर में फुटबॉल सेंटर को अपग्रेड किया जाएगा। दोनों ही जगह बड़े फुटबॉल इवेंट आयोजित करने के सुझाव भी आए। इसी तरह नरसिंहपुर में स्थापित प्रदेश की एकमात्र वॉलीबॉल हॉस्टल को अकादमी में विस्तारित करने पर भी सहमति बनी है।

भोपाल के समन्वय भवन में प्रदेश के समन्वयक

समन्वय भवन में युवा समन्वयक

अच्छा काम करने वाले हुए सम्मानित

कार्यशाला के दौरान अच्छा काम करने वाले 6 युवा समन्वयक ज्योति तिवारी, ज्योति अहिरवार, दिनेश लोधी, विशाल दामके, वसीम राजा और राजेश बम्हुरे को भी सम्मानित किया। इस दौरान एसीएस मनु श्रीवास्तव, संचालक राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक श्री बीएस यादव उपस्थित रहे।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए 365 दिन टैलेंट सर्च : सारंग

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला

भोपाल(काप्र)।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिये प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की लगभग 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके।

श्री सारंग शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में संवाद कर रहे थे। कार्यशाला में विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचायें। श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयकों से 3 माह बाद पुनः संवाद होगा। जिस ब्लॉक में जनसंख्या कम है वहां खिलाड़ियों की खोज के लिए ब्लॉक का क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च आयोजित किया जाये। श्री सारंग ने युवाओं से नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और जागरूकता लाई जा सकती है। उन्होंने कहा, हम केवल अच्छे खिलाड़ी नहीं बल्कि अच्छे नागरिक और समाज के कर्णधार बना रहे हैं।

जिलों से आए सुझावों पर तुरंत निर्णय: कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर श्री सारंग ने विचारपुर (मिनी ब्राज़ील) में शीघ्र ही फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। धार के सरदारपुर में फुटबॉल को लेकर बढ़ते उत्साह और प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति चौहान की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए उन्होंने ब्लॉक स्तर पर खेल एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू करने को भी कहा। उन्होंने उत्साहवर्द्धन के लिये विचारपुर और सरदारपुर के बीच भोपाल में फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित करने के लिये भी निर्देशित किया। श्री सारंग ने नरसिंहपुर में स्थापित प्रदेश के एकमात्र व्हाली-बॉल हॉस्टल को अकादमी में विस्तारित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। वहीं सांची क्षेत्र से वॉटर स्पोर्ट्स में प्रतिभाएं उभरने की जानकारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने क्षेत्रीय खेलों के विकास पर जोर दिया।

नीमच में 27 फुटबॉल क्लब, उज्जैन में सिंथेटिक ट्रैक, इंडोर हॉल, लघु मल्लखंभ केंद्र और कबड्डी की संभावनाएं और शहडोल की फुटबॉल परंपरा की विशेष सराहना की गई। श्री सारंग ने कहा कि खेल विभाग अन्य खेलों की तरह सबसे ज्यादा खेले जाने वाले क्रिकेट को भी बढ़ावा देगा, जिससे क्रिकेट की भी उत्कृष्ट प्रतिभाएं निखरकर सामने आयें और प्रदेश का नाम रोशन करें। श्री सारंग ने सभी से परिचय प्राप्त किया और उत्कृष्ट कार्य करने वाले 6 युवा समन्वयक सुश्री ज्योति तिवारी, सुश्री ज्योति अहिरवार, दिनेश लोधी, विशाल वामनके, वसीम राजा और राजेश कब्डूरे को भी सम्मानित किया। कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, संचालक राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक बीएस यादव उपस्थित रहे।